63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

63-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം 2025 ജനുവരി 4 മുതൽ 8 വരെ തിരുവനന്തപുരം

Item Code: 948 Participant Code: 306

हमारे देश मे ही नही हमारी पूरी दुनियाँ में बढ़ती हुई एक आशंका है पारिस्थितिक ~~स्वच्छता~~ स्वच्छता। इन समस्याओं को हम ध्यान न रखकर चलने के कारण हमें बहुत कुछ खोना पड़ा। मालिन्य जो है वो इनसानियत से लेकर पेड़-पौधों तक बरबाद करते है। फिर भी ज्यादा तर लोग इन समस्याओं से मुह पलटकर चलते है और खुद की तरफ से कोइ कदम नही लेते। हमारे समाज में आजकल सभी खुद कलिए ही सोचतें है, दूसरों कलिए भलाई करने का ज़माना ही नही रहा अब। इन मालिन्यों के कारण ही कई लोग बीमार पड़ते है। इन मालिन्यों से नयी-नयी बीमारियों का जन्म होता है। ये बीमारिया बढ़कर बच्चों से लेकर बूढ़ों लोगों तक फैलता है और कुछ अवसरों मे ये बीमारियाँ उनकी मौत तक का कारण बन जाता है। फिर भी हम इनसान ~~मुह~~ मुह पलटकर ही चलता है। पर जब अपना कोई इन चक्करों में

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

पड़ जाते हैं तभी हमे इन सबका अहसास होता है। जब भी अवसर मिलता है, उस समय लोग जो हैं वो मालिन्यों नदियों या सड़क के ~~किनारे~~ किनारे बिखेरकर चले जाते हैं। उनके लिए यह सिर्फ एक छोटी सी बात होगी लेकिन जब यह छोटी गलतियाँ सभी करे तो यह एक बड़ी आशंका तक तबदील हो जाती है। एक और बात हमेशा याद रखना इन समस्याओं की शुरुवात हमने की थी और इसका अंत भी हम इनसानों को ही करना पड़ेगा। मालिन्यों को मिटाने का कदम कदम हम बच्चों से ही शुरू करेंगे। घरों से और स्कूलों से हम बच्चों को इन समस्याओं का अवबोधन कर सकते हैं। और इन बच्चो के द्वारा हम पोस्टर, प्रसंग और सामूहिक माध्यमों के मदद से बड़े और बुज़ुर्गों तक पारिस्थितिक स्वच्छता की आवश्यकता को समझा सकते हैं। और इन सामूहिक माध्यमों के मदद से ही हम इसकी आशंका बड़े-बड़े अफसरों तक ले जा सकते हैं।

ताकी वो भी इस अवसर पर ~~माले~~ मालिन्य के खिलाफ कदम उठाए। ~~इन सब केलिए समय लोगा फिर~~। जानता हूँ इन सब केलिए समय लेगा फिर भी देखा जाए तो जितना द्रोह हमने धरती के खिलाफ किया उससे संबधी यह समय भी कुछ भी नही है। जो द्रोह हमने जानवरों और पेड़-पौधें की तरफ कीया है इन सबको सही करने का आखरी अवसर है यह। पता नही ऐसा एक अवसर हमे दुबारा मिलेगा या भी नही। स्वच्छ भारत जो है वो हमारी आवश्यकथा ही नही आने वाली समान का आधार भी है। और इसकेलिए परिश्रम करना हमारा कर्तव्य बनता है। इसलिए अब वक्त आगया है की हम सब एक साथ मिले और आने वाले समान केलिए ~~कडे~~ इस आशंका के खिलाफ लडे ताकी नया समान जो है वो भी धरती की खूबसूरती का अहसास ले।